“प्रभु के प्रांगण में एक दिन भी हजारों दिन से बेहतर है” का
क्या अर्थ है?

प्रश्न:

भजन संहिता 84:10 कहती है:

“हे परमेश्वर, कहीं और हजार दिन ठहरने से तेरे मन्दिर में एक
दिन ठहरना उत्तम है। दुष्ट लोगों के बीच वास करने से, अपने परमेश्वर के मन्दिर के द्वार के पास खड़ा रहूँ यही उत्तम
है।” (भजन संहिता 84:10, SHB)

इसका क्या मतलब है?

उत्तर:

यह पद हमें यह सिखाता है कि परमेश्वर की उपस्थिति में बिताया गया एक दिन संसार की किसी भी भौतिक सुख-सुविधा से कहीं अधिक मूल्यवान है। भजनकर्ता यह व्यक्त कर रहे हैं कि प्रभु के साथ एक दिन बिताना—चाहे वह भक्ति, प्रार्थना या सेवा में हो—हजारों दिनों (लगभग तीन वर्षों) से कहीं अधिक महत्वपूर्ण है, जो हम उनकी उपस्थिति के बिना बिताते हैं।

दाऊद यहाँ सामान्य समय की बात नहीं कर रहे हैं, बल्कि परमेश्वर

“प्रभु के प्रांगण में एक दिन भी हजारों दिन से बेहतर है” का
क्या अर्थ है?

के साथ बिताए गए जीवन की अनंत मूल्य की बात कर रहे हैं। यीशु ने भी इस सिद्धांत पर बल दिया जब उन्होंने कहा:

“इसलिए पहले तुम परमेश्वर के राज्य और उसके धर्म की खोज करो,
तो ये सब वस्तुएँ भी तुम्हें मिल जाएँगी।” (मत्ती 6:33, SHB)

परमेश्वर के साथ बिताया गया समय कभी व्यर्थ नहीं जाता; यह इस जीवन और अनंत जीवन दोनों में फल देता है।

इसी कारण दाऊद आगे कहते हैं:

“मैं अपनी परमेश्वर के घर की देहलीज़ का रखवाला होना पसंद करूंगा, बजाय इसके कि मैं दुष्टों के तंबुओं में निवास
करूँ।” (भजन संहिता 84:10, SHB)

देहलीज़ का रखवाला सामान्यतः एक निम्न स्थान माना जाता था, फिर भी दाऊद कहते हैं कि वह परमेश्वर के घर में इस विनम्र स्थान को खुशी से अपनाएंगे, बजाय इसके कि वह दुष्टों के अस्थायी सुख और आराम का आनंद लें। यह सचाई इब्रानियों 11:25 में मूसा के चुनाव

“प्रभु के प्रांगण में एक दिन भी हजारों दिन से बेहतर है” का
क्या अर्थ है?

के समान है:

“उसने पाप के क्षणिक सुख भोगों की अपेक्षा परमेश्वर के संत
जनों के साथ दुर्व्यवहार झेलना ही चुना।” (इब्रानियों
11:25, SHB)

इस पद से हमें दो महत्वपूर्ण सच्चाइयाँ मिलती हैं:

1. परमेश्वर की उपस्थिति का अनंत मूल्य:

परमेश्वर के साथ बिताया गया एक दिन केवल लंबा या उज्जवल नहीं है—यह अनंत मूल्य में अत्यंत समृद्ध है। जैसे पौलुस कहते हैं:

“इसलिए हम निराश नहीं होते। यद्यपि हमारा बाहरी
मनुष्यत्व नष्ट होता जाता है, फिर भी हमारा भीतरी
मनुष्यत्व दिन-प्रतिदिन नया होता जाता है। क्योंकि हमारा पल-भर का यह हल्का सा क्लेश हमारे लिए ऐसी अनंत और अपार महिमा उत्पन्न करता है, जो अतुल्य है।” (2 कुरिन्थियों 4:16-17, SHB)

“प्रभु के प्रांगण में एक दिन भी हजारों दिन से बेहतर है” का
क्या अर्थ है?

2. विनम्र सेवा का आनंद:

परमेश्वर के घर में की गई सबसे छोटी सेवा भी संसार के सबसे बड़े सम्मान से श्रेष्ठ है। यीशु ने भी यही सिखाया:

“जो तुम में बड़ा हो, वह तुम्हारा सेवक बने।” (मत्ती 23:11,
SHB)

आज के विश्वासियों के लिए अनुप्रयोग:

जब हम इसे वास्तव में समझते हैं, तो हम प्रार्थना सभाओं, भजन-भजन, या शास्त्र में बिताए समय को बोझ नहीं मानते। इसके बजाय हम उन्हें अवसर के रूप में देखते हैं जो अनंत पुरस्कार प्रदान करते हैं। परमेश्वर की उपस्थिति में हर पल एक निवेश है, जो अस्थायी सफलता या आनंद के हजारों दिनों से कहीं अधिक महत्वपूर्ण है।

सारांश:

भजन संहिता 84:10 हमें याद दिलाती है कि परमेश्वर के साथ

“प्रभु के प्रांगण में एक दिन भी हजारों दिन से बेहतर है” का
क्या अर्थ है?

जीवन—even विनम्र सेवा में—उनके बिना जीवन से अनंत अधिक मूल्यवान है, चाहे वह जीवन कितना भी आरामदायक या प्रतिष्ठित क्यों न लगे।

प्रभु आपको आशीर्वाद दें जब आप रोज़ाना उनकी उपस्थिति का चयन करें।

JIUNGE NA GROUP LETU LA WHATSAPP HAPA >> WHATSAPP GROUP….

Share on:
WhatsApp